

नेगी वि.पुं. (देश.) 1. शुभ अवसरों पर नेग पाने का अधिकारी 2. लाक्ष. कर्तव्य-कर्म करने का अधिकारी 3. लाभान्वित होकर सदैव उसकी आशा रखने वाला।

नेज़ा पुं. (फा.) 1. बरछी, भाला 2. कलम बनाने का नरकट।

नेता पुं. (तत्.) 1. किसी राष्ट्र, संप्रदाय, वर्ग, जाति आदि के लोगों का पथ प्रदर्शक, नायक जिसके अनेक अनुयायी हों जैसे धार्मिक नेता, राजनीतिक नेता 2. किसी कार्यक्षेत्र में आगे रहकर कार्य करने वाला व्यक्ति, अग्रगामी काव्य. महाकाव्य नाटक आदि का नायक।

नेतागिरी स्त्री. (तत्.+फा.) नेता होने का भाव, कार्य, विशेष-व्यंग्य में किया गया इसका प्रयोग निकृष्ट अर्थ में होता है जैसे- दिनभर नेतागिरी करने के बाद अब घर की याद आ गई।

नेति अव्य. (तत्.) 1. केवल ऐसा नहीं 2. यही इसका अंत नहीं यथा- ब्रह्म के स्वरूप का पूर्णतः वर्णन संभव नहीं अतः प्रत्येक वर्णन के अंत में 'नेति' कह दिया जाता है।

नेती स्त्री. (तद्.) 1. मथानी चलाने की रस्सी 2. योग. हठयोग की एक क्रिया 3. मुख तथा नासिका के छिद्र से सूत की डोरी आदि को खींच कर कफ निकालने में सहायक एक शुद्धि क्रिया।

नेतृत्व पुं. (तत्.) 1. नेता का पद/कार्य 2. नेता के रूप में किसी राष्ट्र, संप्रदाय तथा दल आदि का मार्ग दर्शन एवं संचालन का कार्य 3. किसी समाज अथवा समूह में प्रभावशाली होने की स्थिति।

नेत्र पुं. (तत्.) आँख, अक्षि 1. (जंतु.) पाँच इंद्रियों में से एक जिससे रूप का ज्ञान होता है 2. सामान्यतः करोटि के दोनों ओर गोलाकार खोखलों में स्थित तीन आवरणों से युक्त संरचना 3. मथानी की डोरी 4. बारीक रेशमी वस्त्र 5. नेता 6. काव्यादि में दो की संख्या।

नेत्रगोचर वि. (तत्.) जो नेत्रेन्द्रिय से देखा जा सके, जो दिखाई दे सके, दृष्टिगोचर, दृष्टि के भीतर।

नेत्रगोलक पुं. (तत्.) (जंतु.) नेत्र कोटर में स्थित गेंद के आकार की संरचना जिसमें नेत्र-लेंस, दृष्टिपटल आदि स्थित होते हैं।

नेत्रच्छद पुं. (तत्.) पलक, वर्त्म।

नेत्रजल पुं. (तत्.) अश्रु, आँसू।

नेत्रदान पुं. (तत्.) जीवन काल में इस प्रकार की औपचारिक घोषणा करना कि मेरी मृत्यु के उपरांत मेरे नेत्र निकाल कर नेत्रहीनों के उपयोग हेतु दान दिए जाएँ।

नेत्रमल पुं. (तत्.) आँखों का मैल, आँखों से निकलने वाला कीचड़।

नेत्रमापी पुं. (तत्.) आयु. नेत्रों के श्वेत पटल (कर्नियाँ) पर प्रतिबिंबन की क्षमता तथा नेत्रों की अन्य क्षमताओं को मापने का एक विशेष यंत्र जिसका प्रयोग प्रमुखतया दृष्टिवैषम्य अर्थात् अबिंदकता की विद्यमानता एवं अवस्था की जांच के लिए किया जाता है।

नेत्रवारि पुं. (तत्.) अश्रु, आँसू दे. नेत्रजल।

नेत्रविचलन पुं. (तत्.) नेत्रों का भेंगापन, तिरछी दृष्टि का दोष। squint

नेत्र-विज्ञान पुं. (तत्.) आयु. चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा जिसमें नेत्र संबंधी रचना-विज्ञान, कार्यों, रोगों, निदानों तथा चिकित्सा का विवेचन होता है। ophthalmology

नेत्रविज्ञानी पुं. (तत्.) आयु. नेत्र-विज्ञान विशेषज्ञ।

नेत्रश्लेष्मला स्त्री. (तत्.) आयु./चिकि. आँख के गोलक को ढँकने वाली तथा पलकों के नीचे की तह बनाने वाली झिल्ली। नेत्रश्लेष्मला में शोथ हो जाने पर कष्टकारक नेत्र-रोग "नेत्रश्लेष्मला" कहा जाता है। conjunctivities

नेत्रस्तंभ पुं. (तत्.) आँखों की पलकों का झपकना, बंद हो जाना, आँखों का पथरा जाना।

नेत्रसाव पुं. (तत्.) आँख से पानी बहना।

नेत्राभिष्यंद पुं. (तत्.) आयु. 1. नेत्रप्रदाह 2. नेत्र-शोथ। ophthalmia

नेत्रिका स्त्री. (तत्.) पुरा. दूरबीन आदि का वह शीशे वाला भाग (लेंस) जो देखने वाले के नेत्र के निकट रहता है। eye piece